मातृ दिवस

... अराधनालय, ये मेरी प्रार्थना है। मैं निश्चित रूप से आज सुबह, इस आराधनालय के आत्मिक बढ़ोतरी को देखकर खुश हूं, और किस तरह से, वहां पर चिन्ह, वे अब एक नई कलीसिया को बनाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। मैं सोचता हूं कि इसकी आवश्यकता है। और देखो बाद में... यदि प्रभु यीशु हमारे जाने के बाद, आगमन के लिए देर करता है, उनके पास... हमारे बच्चों के पास कलीसिया जाने के लिए एक स्थान होना चाहिए। और हम चाहते हैं, "उस विश्वास के लिए पूरी तरह से यत्न करें जो एक बार संतों को सौंपा गया था।" सोचिए यह अच्छी बात है।

2 और जब मैं अंदर आ रहा था, कुछ समय पहले, बहुत सी गवाहियों के साथ जोड़ने के लिए जो चंगाई के विषय में दी जा चुकी है, जो यहाँ आराधनालय में, पिछली कुछ सभाओ में हुई है। वे बस निरंतर चंगाईयों को रखते जा रहे हैं, वे महान अद्भुत चंगाईयां।

3 मैंने अपनी पत्नी को और बच्चों को वहां—वहां दरवाजे पर अभी–अभी छोड़ा था; और वहां एक बहन थी, जो अब वहां बैठी हुई थी, बस इतनी उत्तेजित थी कि वह रो पड़ी थी, उसके छोटे पोते पर वहां नीचे एक बड़ा आश्चर्यकर्म हुआ था, मैं समझता हूं, चट्टानूगा में। श्रीमती नैश, यहाँ, आपका छोटा पोता एक बीमारी से पीड़ित था, और यहां अंतिम सभा में, प्रभु यीशु ने, मैं सोचता हूं, इसे बताया, और कहा, "**यहोवा यों कहता है**, कि, यह जा चूका है। और वह चंगाई पाने जा रहा है।" और वह छोटा सा लड़का पूरी तरह से सामान्य है और उतना ही स्वस्थ जितना वह हो सकता है।

और यह—यह उत्तेजित करने वाली है, आप उन गवाहियों को सुने।

4 और फिर एक युवा व्यक्ति, वो भी उपस्थित है, जिसने श्रीमती स्टॉट के लिए प्रार्थना की, जिसका अभी–अभी एक ऑपरेशन हुआ है। और उनकी रुचि; देखो, यदि कोई नहीं चाहता कि हम उनके लिए प्रार्थना करें, क्योंकि उनका... यह दिखाता है, जब तक आप कोशिश कर रहे हैं, ये लोग चाहते हैं कि आप उनके लिए प्रार्थना करें, तब वे, इसमें रुचि लेते हैं, आप देखिए। कभी–कभी यह इतना भयानक हो जाता है, इतना तक... भयानक नहीं, लेकिन इतना अधिक, कि आपको बस कहीं तो बाहर भागना पड़ता है और

अपना सिर छिपाना पड़ता है, और कुछ समय के लिए छिपना पड़ता है कि जी सके। लेकिन, मैं—मैं खुश हूं कि वे ऐसा करते हैं। यह कभी ना सोचना कि मैं उन्हें मिलना पसंद नहीं करता, क्योंकि यदि वे... यदि कोई भी नहीं चाहता कि मैं उनके लिए प्रार्थना करूं, तो मेरी सेवकाई कहां पर होगी? देखा? देखा?

5 लेकिन कभी–कभी जब आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं नहीं समझ पा रहा हूं जब लोग इस तरह से बुलाते हैं, और—और आप कहीं तो खिसक जायें।" मुझे जीवित रहने के लिए, लोगों के लिए प्रार्थना करने के लिए ऐसा करना होगा। आप बस नहीं... यह यहाँ पर केवल एक ही स्थान नहीं—नहीं है। यह सारे संसार भर में है। आप समझे? और—और यह वास्तव में कठिन होता है। और मुझे पक्का है कि आप इसे समझते हैं।

6 ओह, एक मसीही होना बहुत अच्छा है! मैं बस नहीं जानता कि मैं क्या करता यदि यह मसीह के लिए नहीं होता था, और इसलिए... और मसीही लोगों के साथ संगति रखना, जिससे, जैसे बहुमूल्य विश्वास के कुछ लोग, जो परमेश्वर में विश्वास करते हैं और उस पर भरोसा करते हैं; और यह विश्वास करते हुए कि किसी महिमामय दिन पर हम इस सारी लड़ाई को खत्म करेंगे, और उनके पास जय होगी, और दूसरी ओर उसकी समानता में छुडाये हुए खड़े होंगे।

7 और फिर मैं अभी एक संक्षिप्त घोषणा को करना चाहता हूं, कि, आने वाले आराधनालय में, और इत्यादि, मैं... हम अपनी बुनियाद को नया बना रहे हैं, विशेष रूप से अभियान के लिए जो मेरा भाग है। कई वर्षों पहले, जब से मैंने सुसमाचार प्रचार का कार्य आरम्भ किया है, तब से मैं सभाओ में से होते हुए लगातार आगे बढ़ता रहा हूँ, बजाये इसके एक संस्थापना को तैयार करूं, लोगों का एक और समूह बनाऊं, मैंने बस उस समूह का उपयोग किया जिससे मैं परिचित था; और वहां से... तब एक संस्थापना को बनाया, जिससे कि मेरी सारी सभाये ब्रन्हम टेबरनेकल के नाम के नीचे चलाई जाये। और इसका उपयोग यूनियन नेशनल बैंक न्यू अल्बानी में किया जाएगा, जहां इसके माध्यम से धनराशि का भुगतान—भुगतान किया जा सकेगा, जिससे वहां इसका टैक्स नहीं लगेगा। यदि मैंने नहीं किया, तो सारा पैसा जो लिया गया था जो मेरे लिए टैक्स योग्य होगा, यदि मैं ब्रन्हम टेबरनेकल को एक संस्थापना के रूप में उपयोग नहीं करता हूं।

8 आप में से बहुतों ने मुझे समय–समय पर इसकी घोषणा करते सुना है। और ऐसा करने के लिए... मुझे यह करना होगा। और तब—तब हम अब एक नई संस्थापना को स्थापित कर रहे हैं। और हम चाहेंगे कि जितने लोग जानते हैं कि मैं... कितने लोगों ने कभी मुझे इसकी घोषणा करते सुना है, कि सभी कार्यों का संपादन, मैं ब्रंहम टेबरनेकल में से होते हुए करता हूं? बस अपने हाथ उठाये, सब... निश्चय ही, आप सब। यह सबको पता है।

9 और इसलिए जब सभा समाप्त हो जाती है, यदि आप चाहे, तो मेरे पास वहां एक छोटा सा विवरण है, ताकि आप, यदि आप इस पर हस्ताक्षर करें जब आप बाहर जाते हैं। भाई रॉय रॉबर्सन के पास यह वहां पीछे रखा होगा।

10 क्योंकि, हम एक और संस्थापना को स्थापित करने जा रहे हैं, वही चीज, बस... लेकिन एक और संस्थापना, कि हमारा सारा पैसा और चीजें, जो कि सभा में ली गई है, टैक्स लगने से बचाये जाये, जो होगा... हमेशा की तरह, यूनियन नेशनल बैंक में, आराधनालय के माध्यम से संचालन के लिए रखा गया है, बजाये एक—एक संस्था–... दूसरी संस्थापना को रखने के। क्योंकि, यह पहले से ही एक संस्थापना है, ब्रंहम टेबरनेकल के नाम में, आप देखते हैं। और इसलिए *यहां* एक ब्रंहम है और *वहां* एक ब्रंहम है, और इस तरह से, और भिन्न–भिन्न संस्थापना जो बिल्कुल ठीक नही लगता हैं।

11 भाई रॉबर्सन इस बात को संभालेंगे, आप जो करेंगे, जब हम बाहर जाते हैं। हम इसकी सराहना करेंगे।

12 अब, आज सुबह, इससे पहले कि हम सभा में प्रवेश करें, मैं कहना चाहता हूं, प्रभु ने चाहा तो, कि मैं आज रात फिर से वापस आने की कोशिश करूंगा। मैं पसंद नहीं करता कि भाई नेविल दोनों सभाओं को ले, लेकिन उन्होंने मुझे आज रात फिर से बोलने के लिए खुले ह्रदय से कहा है। और यदि प्रभु ने चाहा तो, मैं आज रात एक सुसमाचारक विषय पर बोलना चाहता हूं, जिसका शीर्षक इस प्रकार है: *ये कौन है?* समझे? *ये कौन है?*

13 और सो आज सुबह, मैं चाहता हूं... मैं आज सुबह एक मातृ दिवस के—के विषय पर बोलने के बारे में सोच रहा था। और मैं जानता हूं कि आज दोपहर और सुबह सभी मातृ दिवस के कार्यक्रमों से भरे हुए हैं। इसलिए मैंने सोचा कि मैं एक प्रकार से किसी चीज को जोडुंगा, क्योंकि हम इस

सभा के समाप्त होने के तुरंत बाद बीमारों के लिए प्रार्थना करना चाहते हैं, और हमेशा की तरह।

14 हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर एक चंगा करने वाला है, और वह बीमारों और पीड़ितों को चंगा करता है। और मैं जानता हूं कि वह ऐसा करता है। और यह किसी भी—किसी भी संदेह से परे है, कि, क्योंकि वहां बहुत सी गवाहीयां इकट्ठा हो गयी है, जो हम यह जानते हैं।

15 कल मैं एक थैली में देख रहा था जिसे भाई जीन और लियो ने अभी–अभी रखा था, उन गवाहियों की जो उन्होंने उठाई थी। और यह एक बहुत ही शानदार, अद्भुत चंगाईयों का थैला था जो प्रभु ने लोगों के लिए की थी।

16 और मैंने सोचा, यदि ऐसा है, तो क्या होगा यदि हम उन सभी चीजें का लेखा–जोखा रखें जो घटित हुई थीं? मैं सोचता हूं, केवल प्यूर्टो रिको और जमैका में, प्रभु ने चंगाईयों की दस हजार, या इससे भी अधिक, शानदार गवाहियां, जो उसने की।

अब इससे पहले कि हम किताब को खोले, आइए हम लेखक से बात करें।

17 प्रभु, हम आपके प्रति इतने आभारी हैं, ऐसा है, जब हम अपने सिरों को झुकाते हैं, तो हम बस शब्दों को बोलने के लिए हकलाते हैं; क्योंकि मैं विश्वास नहीं करता कि यह मनुष्य के होठों में रखा है कि पुरुष या स्त्री के ह्रदय की भावनाओं को व्यक्त करें, लड़का या लड़की की भावना को, जो कभी भी आपके संपर्क में रहा हो। हमारी गहरे प्रेम को व्यक्त करने के लिए, कि हम किस तरह से आपकी आराधना करे, और आपका हमारे लिए क्या महत्व है। इसने हमें पाप से अलग किया है, और इसने हमें संसार से अलग किया है। और यह हमें कुछ तो देता है जो अनंत और धन्य है। और हम पर्याप्त शब्दों को नहीं पा सके।

18 जैसा कि एक बार एक सज्जन व्यक्ति ने कुछ सप्ताह पहले कहा था, कि वह बिना रुकावट के लगभग नौ विभिन्न भाषाओं में बोल सकता है, वह हमारे प्यारे राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के सलाहकार के साथ अपना पद संभाल रहे हैं। और भले ही वह नौ भाषाएं बोलने में सक्षम हो, बिना रूकावट के, उसने कहा, जब उसने पवित्र आत्मा को पाया, उसने हर एक नौ भाषा की कोशिश की, और वहां कोई भी शब्द नहीं था जो उसे मिल सके, वह कुछ भी व्यक्त नहीं कर पाया, और इसलिए आपने उसे व्यक्त

करने के लिए एक नई भाषा दी और उस भाषा के साथ आपको धन्यवाद दिया। और हम भी इसी तरह से महसूस करते हैं, प्रभु, कि, जब जीवन समाप्त हो जाता है, तो हो सकता है हम पूरी तरह से एक अलग भाषा में बात करेंगे, जिससे कि हम व्यक्त कर सकें कि हम आपके बारे में क्या सोचते हैं।

19 अब हम मांगेंगे, प्रभु, कि आप इस भवन को आशीषित करेंगे, इसके पास्टर, इसके खजांची, इसके डिकन लोगो को, इसके सारे सहयोगी जन, वे लोग जो यहां आते हैं, दरवाजे से अंदर और बाहर आते जाते हैं। होने पाए यह हमेशा ही समर्पित पाया जाए, विश्राम का एक आश्रय, जहां पर थके हुए लोग आ सके, इसके द्वार से बाहर और अपने प्राण के लिए विश्राम और शांति को पा सके, और बीमार द्वार के अंदर आकर और चंगे होकर बाहर जा सके, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सर्वदा जीवित उपस्थिति के कारण जो इसकी छत के नीचे वास करती है।

20 हम मांगेंगे, प्रभु, कि इस आने वाले कार्यक्रम में... जो अभी बन रहा है, कि आप समिति के साथ भेंट करेंगे और सभी के साथ भेंट करेंगे । और यदि यह आपको बहुत ही प्रसन्न करता है कि प्रार्थना का निरंतर स्मरणोत्सव होगा जो इस पुराने तालाब में प्रार्थना की गई थी, और एक दिन एक घास का टुकड़ा; जो कि अब यह एक उजियाले का घर बन गया है, उस प्रार्थना के उत्तर के कारण थके हुओं के लिए विश्राम का आश्रय स्थल बन गया है।

21 अब जो कुछ भी हमने किया है, या कहा है, या सोचा है, उसके लिए हमें क्षमा करें, जो आपकी महान इच्छा के विपरीत था; और याद करे, प्रभु, यह हमारे ह्रदय से नहीं आया। हमने हो सकता है इसे केवल अपने कार्य में या अपने होठों में व्यक्त किया होगा। लेकिन, जल्दी ही, आपने हमारी सुन ली। जब हमने देखा कि हम गलत थे, तो हम इसे स्वीकार करने की इच्छा रखते थे। और हम अपने ह्रदय में अधर्म को पकडे रहना नहीं चाहते हैं, तब हम जानते हैं कि परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर नहीं देगा; लेकिन हम लगातार हमारी गलतियों को स्वीकार करते हैं।

22 और हम मांगेंगे, प्रभु, कि आप आज सुबह आशीषित करें, सारे राष्ट्र भर में, जैसा कि यह मातृ दिवस के इस यादगार दिन को मना रहा है। लेकिन होने पाए यही केवल एक—एक मातृ दिवस ना हो; होने पाए हर दिन ऐसा हो।

23 परमेश्वर, इस सुबह प्रदान करें, कि माताएं, स्त्रियां, जो परमेश्वर से भटककर दूर हो गई हैं, कि वे आज सुबह अपने आप से आ जाये, और पहचान जाये कि *मां* शब्द का क्या अर्थ होता है, "वो एक जिसने जन्म को दिया है।" होने पाए वह यह जान ले कि संतान, उसके पति के साथ एक होने से आई है, वे पवित्र छोटे रत्न रहे हैं जिसे परमेश्वर ने उस माँ की देखरेख में रखा है। तब, परमेश्वर उसे उन बच्चों के पालन–पोषण करने के लिए जिम्मेदार ठहराएगा। और जैसा कि वचन कहता है, कि, "अच्छी स्त्री, और मां, वह क्या है, कि उसके बच्चे उसे धन्य कहते है।"

24 हे प्रभु, जब हम इस दिन को देखते हैं, जब वे वचनों से बहुत ही दूर हो जाते हैं, और लगभग पशुओ के समान व्यवहार करते हैं! हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि आप हमें पुराने चलन की बेदारी दें, जो उन्हें वापस उस स्थान पर बुलाएगी जहां पर उन्हें होना चाहिए।

25 प्रभु, हम किसी भी तरह से, आपको सच्ची माताओं के लिए धन्यवाद देना नहीं भूलेंगे, क्योंकि हम जानते हैं कि आज हमारे पास क्या ही जीवन है; सच्ची, जो असल में माताये है। परमेश्वर, उन्हें आशीष दे। वे हमारे लिए बड़ा खजाना हैं, और हम प्रार्थना करते हैं कि आप निरंतर उनके साथ रहेंगे, प्रभु, और होने पाए वे आनंदित रहे और अपने गर्भ के फल को परमेश्वर की सेवा करते हुए देखे।

26 और हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि वे जो आज सुबह सफेद गुलाब को लगाये हुए हैं, या सफेद फूल को, यह कहने के लिए कि उनकी मां आज इस हाव–भाव के दृश्य से उस ओर जा चुकी है; होने पाए, प्रभु परमेश्वर, वे शांति में विश्राम करें और उनके परिश्रम उनके साथ रहे। इसे प्रदान करें, प्रभु।

27 अब अपने वचन को लेकर, प्रभु, और लोगों से बात कीजिये, और उन्हें ढाढ़स देंना, क्योंकि इसी कारण से हम यहां एकत्र हुए हैं; ताकि आपकी उपस्थिति को महसूस करे, आपके वचन को सुनने के लिए, और आशीषित हो; और जब हमने यहाँ प्रवेश किया था तब की तुलना में बेहतर पुरुष और महिलाएँ, लड़के और लड़कियाँ बनकर यहाँ से जाये। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं, जो परमेश्वर का पुत्र है। आमीन।

28 मैं उसके धन्य वचन को पढ़ना पसंद करता हूं। तो अब हम आज सुबह पहले कुरिन्थियों की किताब में जायेंगे, और 15वें अध्याय के भाग को

पढ़ेंगे, 1ले पद से आरंभ करते हुए।

> *हे भाइयों, मैं तुम्हें वही सुसमाचार बताता हूं जो पहिले सुना चुका हूं, जिसे तुम ने अंगीकार भी किया था, और जिस में तुम स्थिर भी हो;*
>
> *उसी के द्वारा* तुम्हारा *उद्धार भी होता है, यदि* उस *सुसमाचार को जो मैं ने तुम्हें सुनाया था* तुम *स्मरण रखते हो, नहीं तो* तुम्हारा *विश्वास करना व्यर्थ हुआ।*
>
> *इसी कारण मैं ने सब से पहिले तुम्हें वही बात पहुंचा दी जो मुझे पहुंची थी, कि पवित्र शास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया;*
>
> *और वो गाड़ा गया, और पवित्र शास्त्र के अनुसार वो तीसरे दिन फिर से जी भी उठा;*

29 आप कह सकते हैं, "भाई ब्रंहम, यह मातृ दिवस के संदेश के लिए थोडा सा एक असाधारण वचन का पाठ्य भाग है।" तो, यह सच है। लेकिन, आप जानते हैं, परमेश्वर असाधारण है, और वह चीजों को असाधारण तरीके से करता है।

30 और मैं सोचता हूं, मां के विचार। और आज सुबह परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा मेरे पास एक है, अब भी यहां धरती पर हमारे साथ है। और मैं मां के प्रति आभारी हूं। लेकिन हमें एक चंगाई की सभा भी करनी थी, और यह नहीं जानते हुए कि मैं आज रात फिर से वापस आऊंगा, लेकिन मैंने सोचा कि हो सकता है कि हम एक अलग प्रकार की तस्वीर को चित्रित कर सकते हैं।

31 माँ बहुत ही महान होती है। आप जानते हैं, वो पहला जो आपको इस जीवन में ग्रहण करता है, वह आपकी मां है। आपको कोई नहीं छू सकता, क्योंकि आप गर्भ में है, और वह आपको अपने ह्रदय के नीचे लिए हुए होती है। और वह पहली होती है जो आपको जानती है, और इस जीवन में पहली होती है, कि—कि आपको थामे। फिर, जब आप जन्म लेते हैं, तो उसके हाथ पहले हाथ होते है जो आपको छूते है और आपकी आंखों से आंसू पोंछते है। वह पहली महिला होती है जो आपको थपथपाती है और आपको प्रेम करती है, और इस जीवन में लाड़ प्यार करती है, वो आपकी मां है।

अब, मैं सोचता हूं कि एक माँ को हम जो सम्मान दे सकते हैं वह पर्याप्त नहीं है।

32 बच्चे के साथ सबसे पहले माँ होती है, और वह बच्चा कैसा होगा इसकी बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी उस पर होती है, यह इस बात पर आधारित होगा कि माँ अपने बच्चे को उस रास्ते पर कैसे ले जाती है जिस पर उसे चलना है। परमेश्वर की ओर से माँ की जिम्मेदारी होती है कि वह उस बच्चे को सही रास्ते पर रखे। और मैं सोचता हूं यही वो कारण है कि माताओं के पास एक विशेष छोटा सा स्पर्श होता है।

33 मैं इस शहर के एक बेटे को जानता हूं। ये सोचता है कि उसकी मां अभी उपस्थित है। वह लगभग मेरी उम्र का है। लेकिन मैं यह बात माँ को ठेस पहुँचाने के लिए नहीं कहता; क्योंकि सभी माताओं की तरह उसे भी काफी दुःख झेलने पड़ते हैं। लेकिन लड़का शराब पीता है, और वह बहुत ज्यादा पीता है। और जब वह बहुत ही नशे में हो जाता है, तो वह घर आता है और अपनी माँ के साथ बिस्तर पर लेट जाता है और अपनी बाहें उसके चारों ओर रख देता है। और उसके पोते–पोतियां है। लेकिन एक माँ के बस थपथपाने के विषय में कुछ तो बात है, ऐसा प्रतीत होता है कि यह किसी अन्य चीज़ से भिन्न स्थान है जिसे कोई भी छू सकता है; जो कि, इस जीवन में, मानवीय रूप में बोल रहा है।

34 आप जानते हैं, एक मनुष्य मूसा के समान, वह... यदि मैं उसके चरित्र के लिए किसी को भी श्रेय दे सकता हूं, तो यह इसलिए था क्योंकि उसके पास एक परमेश्वर की भेजी हुई मां थी। आप जानते हैं कि यह वो माँ थी जिसने प्रार्थना की थी, योकेबेद, और इस बच्चे की लालसा की थी। और जब उसका जन्म हुआ था, तो वही वो एक थी जिसने उसे प्यार से पुचकारा था, और उसे गले लगाया और नाव को बनाया और उसे पानी के बीच सरकंडो में रखा, जब उसका दीन ह्रदय टूट रहा था। उसका इकलौता छोटा सा बच्चा, और यह—यह वो सारे संसार में सबसे हटकर छोटा सा गोल–मटोल था। और कैसे एक माँ किसी भी बच्चे को पसंद करती है! लेकिन इस विशेष छोटे से बालक को देखना!

35 और फिर, उसके ह्रदय में, वह यह जानती थी कि उसका जन्म एक उद्देश्य के लिए हुआ था, और फिर उसे लेने के लिए और उसे मगरमच्छों की खोह में रख देती है, वहां नदी में। विश्वास के द्वारा उसने ऐसा किया,

यह जानते हुए कि परमेश्वर उसकी देखभाल करने में सक्षम है; और एक माँ के प्रेम और उसके विश्वास के चरित्र की क्रिया को संक्षेप में प्रस्तुत करना। क्योंकि विश्वास अपने आप को सरकती हुई रेत पर नहीं रखता जिसे वह देख सकता है; विश्वास पूरी तरह से परमेश्वर के अनंत वचन की न हिलने वाली चट्टान पर विश्राम करता है। "क्योंकि विश्वास के द्वारा," वचन कहता है, "उसने ऐसा किया।"

36 और विश्वास चट्टान पर अपना स्थान बना सकता है, कि लहरें बुनियाद से टकरा रही है, और सीधे मृत्यु के मुख की ओर देखता है और जानता है कि यह थोड़े ही समय में होगी, लेकिन विश्वास समुद्र के पार उसकी ओर देख सकता है जिसने कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं," और यहां तक कि तेज लहरों को भी नहीं सुन पा रहा हूं।

37 मूसा की माँ का विश्वास इसी प्रकार का था। उसकी माँ ने उसे सिखाया और उसने उसका फिरौन के महल में पालन–पोषण किया, उसे सिखाया कि उसका जन्म एक उद्देश्य के लिए हुआ था, कि यहोवा ने उसकी प्रार्थना का उत्तर दिया था। और, वो... उसके पास इससे अच्छा शिक्षक नहीं हो सकता था। यही है जो मूसा के चरित्र को ढालने में सहायता कर रहा था।

38 मैं सोचता हूं कि यह अब्राहम लिंकन थे जिन्होंने एक बार इस तरह का एक बयान दिया था...

39 अब, मैं न तो डेमोक्रेट या रिपब्लिकन हूं, मैं तो बस... मैं तो एक मसीही हूं। क्योंकि, मुझे लगता है कि एक पक्ष दूसरे पक्ष के खिलाफ कुछ नहीं कह सकता है; यह सब भ्रष्टाचार है। लेकिन, अब्राहम लिंकन, मेरे विचारों में, उनमें से एक थे... और वो वह इस संयुक्त राज्य अमेरिका के अब तक के सबसे महान राष्ट्रपतियों में से एक थे; वाशिंगटन इत्यादि को मिलाकर।

40 क्योंकि अब्राहम लिंकन की एक—एक ख़राब शुरुआत थी। वह गरीब थे। जहाँ तक शिक्षा की बात है, या—या किसी बड़ी चीज़ की बात है, तो उनके पास कोई आधार नहीं था, या पैसा, या कुछ ऐसा जो उसकी सहायता कर सके, जैसे वाशिंगटन को किया। वाशिंगटन एक कॉलेज से डिग्री प्राप्त व्यक्ति था, और वह—वह जानता था; वह एक चतुर मनुष्य था, आरंभ से ही एक बड़ा व्यक्ति था। लेकिन लिंकन का पालन–पोषण एक छोटे से लकड़ी के कमरे में हुआ था, केंटकी के बड़े मैदान के तहत, और छोटे पुराने केबिन में कोई फर्श नहीं था, जो अब यहां लुइसविले में

एक स्मारक के रूप में स्थापित है। लेकिन, वह एक महान व्यक्ति थे, और उन्हें लिखना सीखना था, जिस भूमि पर उन्होंने हल चलाया था, उसी पर उन्होंने मक्का बोया था।

41 लेकिन मैं इस बात को युवा लोगों को बता सकता हूं। क्या आप जानते हैं अब्राहम लिंकन के पास उनके जीवन में इक्कीस वर्ष की आयु होने तक कभी कोई किताब नहीं थी, सिवाय बाईबल और फॉक्स की शहीदों की किताब के? देखो, आप जो पढ़ते हैं वह आपके चरित्र को आकार देता है। कोई आश्चर्य नहीं कि आज हमारे पास मानसिक रूप से अशांत बहुत से रोगी है; छोटी पुरानी काल्पनिक पत्रिकाएं, और अश्लील और बकवास चीजें, हमारे समाचार पत्रों पर छपे हुए है। उसके पास बाईबल और फॉक्स की शहीदों की किताब थी। देखो इसने उसे क्या बनाया!

42 लेकिन इन सबके बीच एक दिन उन्होंने ऐसा बयान दे दिया। उन्होंने कहा, "यदि मुझमें कोई अच्छी चीज़ पाई जा सकती है, तो यह एक धर्मी मां की वजह से है," जिसने उसे प्रभु की सेवा करने के लिए पालन–पोषण किया।

43 आप देखिए, एक बालक अपनी मां की बात को सुनता है; उस मां के विषय में कुछ जरा सा स्पर्श, जिसे एक बच्चा सुनेगा। जब उसे चोट लगती है, तो इससे पहले कि यह पिता के पास जाए वो मां के पास सांत्वना के लिए जाएगा। क्योंकि, वह पहले इसके साथ थी, आप जानते हैं। और वहां कुछ दान है जो परमेश्वर एक मां को देता है, इस तरह से होने के लिए; मेरा अर्थ एक सच्ची मां से है। अब, मैं विश्वास करता हूं कि माताएं आदरणीय और धर्मी होती हैं।

44 लेकिन मैं विश्वास करता हूं, जैसे कि मातृ दिवस, जो इस तरह से करते है, एक धोखाधड़ी है, फूलों और चीजों से बहुत सारा पैसा कमाया जाता है। लेकिन मातृ दिवस हर दिन होना चाहिए। ना ही माँ को मातृ दिवस पर फूलों का एक गुच्छा भेजने के लिए, लेकिन उससे प्रेम करने के लिए और वर्ष भर तीन सौ पैंसठ दिन और रात उसकी देखभाल करें। लेकिन, निःसंदेह, व्यावसायिक दुनिया की इस तरह की चीज़ों पर बहुत अधिक पकड़ है, और यह—यह—यह माँ को मूल्य को कम करता है।

"ओह, ठीक है, पिछले मातृ दिवस पर मैंने उसे फूलों का एक गुलदस्ता भेजा।"

45 वह बहुत अधिक सराहना करेगी, बस बैठ जाओ और उससे थोड़ी बात करो, उसके लिए एक पंक्ति को लिखे, उसके कंधे को थपथपाते हुए, उसके गाल पर चूमकर, उसे बताये कि आप उससे प्रेम करते हैं। यह उन सभी फूलों से कहीं अधिक दूर तक जाएगा जिन्हें आप फूलवाले से खरीद सकते हैं। यह सच है।

46 मैं विश्वास करता हूं कि यह दस आज्ञाओं में था, गुजर चुके सेसिल डेमिले की, जिसने फिल्मी दुनिया की एक सर्वोतम रचना को लिखा और पर्दे पर दिखाया। और इससे पहले कि इसे परदे पर दिखाया जाए, या बाहर भेजा जाए, सेसिल डेमिल ने ओरल रॉबर्ट्स और डेमोस शेकरियन को बुलाया, और फुल गोस्पल के सेवकों के एक समूह को, और उन्हें अपने स्वयं के स्टूडियो में लेकर गया और चार घंटे की दस आज्ञाओं को दिखाया, और उनसे इस पर उनकी राय पूछी। परमेश्वर उनके साहसी प्राण को विश्राम दे!

47 और जब मैंने इसे देखा, उसकी ओर देख रहा था, और एक छोटी सी ध्यान देने योग्य चीज हमेशा ही मेरे मन में अटकी हुई थी। यदि आप में से बहुत से लोग जिन्होंने इसे देखा है, यह जब की बात है जब फिरौन की बेटी... मूसा ने यह जान लिया था कि वह एक—एक इब्रानी था, और उसने अपने लोगों के साथ रहने का निश्चय किया था। और वहां एक समय उसकी सुंदर मां बैठी हुई थी, जो मुरझाई हुई थी, उसके सफेद बाल और उसके झुर्रीदार चेहरे के साथ, एक पुरानी सी कुर्सी पर बैठी हुई थी; एक आदर्श रूप मां। और फिरौन की बेटी भीतर आई। और उसने कहा, "जो कुछ भी हो, मैं किसका बेटा हूं? "

48 और जब इस बात को प्रकाश में लाया गया, तो योकेबेद उसकी असली मां थी। फिरौन की बेटी, उसके चेहरे पर रंग और इत्यादि के साथ, और पूरी तरह से सजी हुई; उसने कहा, "लेकिन, देखो! वह तुम्हारा बेटा हो सकता है, लेकिन," उसने कहा, "मैं उसे धन–दौलत और वैभव देती हूं। तुम उसे कीचड़ के गड्ढों के अलावा कुछ नहीं दे सकती।"

49 लेकिन बूढी सफ़ेद बालों वाली मां ने कहा, "लेकिन मैंने उसे जीवन दिया है।" इससे फर्क पड़ता है। "मैंने उसे जीवन दिया।" परमेश्वर ने उसे अनन्त जीवन दिया। कितनी सच्ची है, माँ!

50 कभी–कभी लोग मुझसे कहते हैं, ज्यादातर हमेशा मेरे अभियानों में, मैं

"निरंतर पुनरुत्थान पर ही प्रचार करता हूं।" और मैंने आज सुबह एक वचन पढ़ा, पहला कुरिन्थियों का 15वां अध्याय और चौथा पद, जो पुनरुत्थान पर है।

51 लेकिन, आप देखते हैं, जिस तरह से वे आज मां को रखते हैं, एक बूढ़ी महिला के पास रखा हुआ फूलों का एक बर्तन होता है, जो कि बूढी है और उठ नहीं सकती, हो सकता है, और कमजोर हो, और सफ़ेद बालों वाली, और झुर्रीदार, और एक कुर्सी पर बैठी हुई हो। यह काफी सच है। लेकिन मैं अपने मुख्य विषय को लेना चाहता हूं और आपके लिए एक और तस्वीर को चित्रित करना चाहता हूं कि मां क्या है।

52 किसी ने कहा, "आप पुनरुत्थान पर बहुत अधिक प्रचार करते हो। अधिकांश हर एक संदेश में पुनरुत्थान के विषय में कुछ तो होता है।"

53 क्यों, निश्चय ही। यह—यह सुसमाचार का मुख्य विश्राम स्थल है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसने क्या किया, यदि वह फिर से मरे हुओ में से नहीं जी उठा, तो यह सब व्यर्थ में जाता था। यह, मेरे लिए, यह साबित करता है कि वह परमेश्वर था। हर एक दावे को साबित करता है जो उसने किये; पुनरुत्थान! और यह प्राण के विश्राम का स्थान भी है। यह आरंभ बिंदु है। यह हमारी सांत्वना का मुकुट है।

54 और जब हम देखते हैं कि वह मरे हुओं में से जी उठा, यह हमें सुसमाचार के हथियारों के साथ युद्ध के मोर्चे पर आगे रखता है, ताकि लड़ने के लिए उस स्थान को ले। क्योंकि, हम जानते हैं कि उसने कहा, "वह जो मेरे लिए अपने जीवन को खोयेगा, इसे फिर से पाएगा।"

55 और मैं सोचता हूं कि यह पूरे सुसमाचार का महान अभिषेक है, जो पुनरुत्थान है, और इसकी दिव्य प्रतिज्ञाये है, और यह उन्हें सांत्वना देता है जो इस पर भरोसा करते हैं। क्योंकि, यह हमारे फिर से एक साथ एक होने के महान मिलन की प्रतिज्ञा करता है। यह प्रतिज्ञा करता है, और उन—उन सारे पापों का लुप्त होना। यह सारी बिगड़ी हुई चीजों के लुप्त होने की प्रतिज्ञा करता है, वे सारे कष्ट जो हमने इसमें किए हैं, इस जीवन में से होते हुए झेलना था। यह प्रतिज्ञा करता है, और यह सब लुप्त हो जाते है। यह प्रतिज्ञा करता है कि यहाँ तक मृत्यु भी अपनी पकड़ को खो देगी, और हम यीशु की समानता में जी उठेंगे। इसलिए, मेरी राय में, पुनरुत्थान वचन की बातों की सारी प्रतिज्ञाओं में सबसे महान बात है। यही है जहां इसने इसे

मोहरबंद किया है।

56 और अंतिम ईस्टर, जब मैं इन पांच बातों पर प्रचार कर रहा था:

> जीवित रहते हुए, उसने मुझसे प्रेम किया; मरते हुए, उसने मुझे बचा लिया;
> दफन होकर, उसने मेरे पापों को दूर कर दिया;
> लेकिन, जी उठकर, उसने हमेशा के लिए स्वतंत्र रूप से धर्मी ठहराया।

57 यही मेरे लिए वो दिन है, उन दिनों का महान दिन! और यह देखने के लिए कि पुनरुत्थान में, हम सभी के लिए इसका क्या अर्थ होगा, जब हम परिश्रम करते हैं और उस धन्य दिन की प्रतीक्षा करते हैं!

58 यह हमें प्रतिज्ञा देता है कि किसी दिन ये बूढ़े, दुर्बल, कमजोर, सफ़द बाल वाले, टूटी हुई माताये बदल जायेंगी। ना ही केवल, खुद, मां वहां पर बैठेगी, लेकिन उसका पूरा परिवार उसके साथ होगा।

59 और वो क्या ही दिन होगा! यह क्या ही समय होगा, जब हम उन लोगों के चेहरों को देखेंगे जिनसे हमने बहुत प्रेम किया है! उस सुबह को क्या ही भिन्न बात होगी, जब हम अपने प्रिय जनों को देखेंगे, और—और यह देखने के लिए कि वे तब क्या होंगे! सारे कष्ट दूर हो जायेंगे। दु:खों का सारा संकट मिट जायेगा। मृत्यु के अब और पीले गाल नहीं होंगे। आंखों से अब और आंसू नहीं बह रहे होंगे। पुनरुत्थान इस सब की प्रतिज्ञा करता है। अब और अंतिम संस्कार नहीं होगे। अब बालक के गाल पर थपथपाना नहीं होगा, यह एक पत्थर के टुकड़े के समान है; जहां पर अंतिम संस्कार का प्रबन्ध करने वाले ने स्वाभाविक दिखने के लिए शव पर लेप को लगाया, और हटाकर और उस पर रंग को लगाया, और आदि–आदि। इसकी वहां कभी भी फिर से आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

60 तब मैं सोचता हूं जब हम उन्हें उस ओर सामने खड़े देखते हैं, हमारे प्रियजनो को, हमारी माताएं, हमारे रिश्तेदार, हमारे सारे मित्र; और उन्हें उनके अमरहार शरीरों में देखना, उनके स्वर्गीय शरीरों में; उनके चरित्र को देखते हुए, यह देखते हुए कि वे अपने आप में उस मधुरता और शांति के साथ किस तरह से व्यवहार करते हैं, अब कोई घबराहट या निराशा नहीं है। तब उन्हें प्रभु यीशु की समानता में खड़े हुए देखना, यह एक अद्भुत दिन होगा।

61 और हम में से हर एक जन, अपने मन में, सांत्वना की उस घड़ी की अपेक्षा और लालसा कर रहे हैं, जब हम उनसे मिलते हैं। हर एक जन अपने प्रिय जन के लिए सोच रहा है, हो सकता है उनकी मां जो जा चुकी है। और क्या ही वो दिन होगा, जब आप उसे फिर से देखेंगे! और पिता को, और भाई को, और... सभी प्रियजनों को, यह क्या ही एक दिन होगा!

62 मैं भी ठीक अभी सोच रहा हूं। मैं अपने परिवार के लिए सोच रहा हूं, उस दिन मेरे लिए इसका क्या मायने रखेगा।

63 मैं यह सोच रहा हूं, उस पुनरुत्थान की सुबह को, हो सकता है वो पहला जो मुझसे मिलने आएगा वह मेरी छोटी शारोन होगी। नहीं, वह थरथराएगी नहीं। वो शैतान उस स्थान में प्रवेश नहीं कर सकता। कोई भी मस्तिष्क के बुखार का संक्रमण कभी भी उस देश को नहीं छू सकता है। वह मुझे हाथ हिलाकर अलविदा नहीं कहेगी। वे छोटी, नीली आंखें नाच रही होंगी जब वह अपने हाथों को आगे फैलाकर और चिल्लायेंगी, "डैडी!" मुझे उसे देखकर खुशी होगी, यह जानकर कि वह फिर कभी भी नहीं मरेगी; यह जानकर कि यह सब खत्म हो गया है, इसी कारण से मैं पुनरुत्थान के प्रचार पर इतना जोर देता हूं।

64 तब मैं उसकी मां को देखूंगा, बिली की मां, जो मेरा लड़का है। और मेरे पास बहुत सारी यादें हैं जो ठीक वहां पर बसी हुई है। मुझे याद है जब मैं उसे उठाकर ले जा रहा था; मेरा मतलब श्रीमान कॉम्ब्स, यहाँ पर, उसे अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे, और मैं एक कार में उसके पीछे–पीछे आ रहा था। जब हम सातवीं सड़क पर गए, ठीक वहां पर; बिली, अठारह महीने का था।

65 किस तरह से वे उसे बाहर सड़क पर लेकर आये, और जिससे वो उसे देख सके। और वह लेटती और रोती, और अपने बच्चे को देखती, लेकिन वह उसके पास नहीं जा सकती थी।

66 और फिर नीचे सड़क पर, अंतिम संस्कार का प्रबंध करने वाला साथ–साथ आया और उस—उस—उस सातवीं सड़क पर नीचे चला गया। माँ यहाँ उस समय उसकी देखभाल कर रही थी। और वह बाहर आंगन में खड़ा हुआ था, एक छोटी सी हाफ पैंट पहने हुए, और एक छोटी सी लाल टोपी उसके सिर पर एक ओर खींची हुई थी। और जब वह माँ, उस खाट पर लेटी हुई थी, उस एम्बुलेंस के पीछे, मेरी ओर देख रही थी, जब उसने

अपने बालक को आंगन में खड़ा देखा, यह जानते हुए कि वह उसके अंतिम संस्कार के लिए ले जा रही थी, वह खाट से उठी और चिल्लाई, और अपने दुबले–पतले हाथ को बाहर निकाला, जिससे कि आंगन में अपने बालक को गले लगा सके। लेकिन वह उसे नहीं उठा सकती थी।

67 ओह, उस दिन उसे देखकर आनंद होगा। नहीं, उसके दुबले–पतले हाथ नहीं होंगे, न ही वे गाल अंदर की ओर धंसें होंगे। लेकिन वह स्वर्ग की रानी और माँ की दिव्य सुंदरता में खड़ी होगी। उसकी काली आंखें, कौवे के पंखों के समान काली, आनंद से नाच रही होंगी। वह इतनी झुकी हुई नहीं होगी; जहां, टीबी का शैतान कभी भी उस देश में प्रवेश नहीं करेगा। लेकिन, अमरहार, उसकी समानता में खडी होगी।

68 मुझे लगता है, तो फिर, मुझसे मिलने के लिए अगला व्यक्ति एडवर्ड होगा, जिन्हें हम छोटे सा नाम "हम्पी" कहकर बुलाते थे। वह नौ कड़ी की बड़ी श्रृंखला में से पहला था, ब्रंहम परिवार की श्रृंखला के। वह उस कड़ी को तोड़ने वाला पहला था; अगला जो बाद में है। मैं एडवर्ड को दौड़ते हुए मेरे पास आते देखूंगा। फिर भी, वह उन्नीस वर्ष की उम्र में एक लड़के के रूप में मरा। और जब मैं उसके हाथ को पकडूँगा, तो मुझे यकीन है कि हमारे पास बात करने के लिए बहुत सारी चीजें होंगी, लड़कपन की, क्योंकि हम मित्र थे। हम एक दुसरे से चिपके रहे। वो मुझे उसका सूट पहनने देता, और—और—और इत्यादि, जैसे कि सगे भाई करते है। उसे फिर से देखना एक आनंद की बात होगी।

69 और मैं उसे कुछ इस तरह से कहते हुए सुनूंगा, "क्या तुम्हे मेरा सन्देश मिला, बिल? तुम एक पशु फार्म पर काम कर रहे थे, उस समय जब मैं धरती पर से जा रहा था। लेकिन अस्पताल में, मैंने वापस संदेश भेजा, 'बिल को बताओ कि सब कुछ ठीक है।'"

मुझे यह कहते हुए खुशी होगी, "हां, मुझे तुम्हारा सन्देश मिला, वहां घास के बड़ा मैदान पर था।"

70 तब, मैं समझता हूं, उसके बाद मेरे पिता आयेंगे। वह जाने के लिए अगली कड़ी थे, और... नहीं।

71 मैं सोचता हूं चार्ल्स अगली कड़ी था, एक छोटा भाई। जब वह बस एक छोटा लड़का ही था, उसकी एक कार दुर्घटना हो गई थी। जब वो चलता था, वह हमेशा अपने दाहिने पैर को घसीटता था। लेकिन, आप जानते हैं,

जब मैं उसे देखूंगा, तो वह उस पैर को नहीं घसीट कर नहीं चलेगा। यह सब समाप्त हो जाएगा, एक युवा पुरुष के वैभव में खड़ा होगा।

72 और वह मुझसे कुछ इस प्रकार से कहेगा, जब वह मुस्कुराता है। वह कहेगा, "हाँ, बिल, यहाँ पर कोई दुर्घटना नहीं है। और मुझे याद है कि जिस रात मैं कार दुर्घटना में हुई थी, उससे एक रात पहले आपने मुझसे बात की थी, हमारे छोटे से साधारण घर के छोटे से अर्ध गोल आकार के द्वार पर खड़ा हुआ था," और मैं ठीक अभी ऊपर की ओर देख रहा हूं। "आपने मुझसे प्रभु के बारे में बात की, जाने से कुछ ही घंटे पहले। और जब मैं वहां से चला गया तो आप पुलपीट पर प्रचार कर रहे थे।"

73 उसके पिता आयेंगे। ओह, मैं उन्हें देख सकता हूं। हालांकि उन्होंने मुझे बहुत जोरदार फटके मारे, बिल्कुल वही जिसकी मुझे जरुरत थी, लेकिन मैं उस काले घुंघराले बालों को देखूंगा, उस दिन पर पहले से कहीं अधिक चमकदार। और वो मेरी ओर देखेगा, और कहेगा, "मेरे लड़के, तुम जानते हो, अब पिताजी यहाँ कभी भी मेज पर से भूखे नहीं उठेंगे, कि उसके बच्चों को खाने को मिले, क्योंकि यहां हमारे पास बहुत सारा है। यहां कभी कोई कमी नहीं होती है।"

74 उन्हें देखकर कि वो जब काम करते, और एक दिन में पचास या पचहत्तर सेंट मिलता था, और फिर मेज से उठ जाते ताकि बच्चे खा सके, फिर से काम पर वापस चले जाते। और उन्होंने इतनी मेहनत की कि उसकी कमीज उसकी पीठ पर धूप से झुलस जाती, और माँ उसे कैंची से काटती।

75 मैं उसे कुछ इस तरह से कहते हुए सुनूंगा, "बिल, तुम्हे याद है उस रात तुम और भाई जॉर्ज मेरे लिए प्रार्थना करने को आए थे, जब मैं जा रहा था? तुम जानते हो, मैंने माँ को बताया कि वहाँ दो सफ़ेद दूत खाट के पास खड़े थे, और एक लाल दूत पैरों के पास खड़ा था। और लाल दूत मुझे लेने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सफेद दूत बीच में खड़ा हुआ था। वे अंत में मुझे घर को लेकर गये।"

76 उसके बाद, अगली कड़ी में जाने के लिए, या जाने के लिए, हावर्ड आएगा। मैं हावर्ड को देखूंगा; जब हम सारे देशों से एक साथ एकत्र हुए, हर कहीं से; सेवकाई करने के लिए बुलाया गया; बड़े व्यक्तित्व वाले लोग, लेकिन उसके साथियों ने उसे पीछे रखा। अंतिम बात जो मैंने उसके साथ की थी, उसने कहा, "जब मैं जाता हूं, बिल... "

77 मैंने—मैंने उसे दर्शन के द्वारा जाते हुए देखा, उसके जाने से लगभग चार वर्ष पहले। उसे बताया कि मैंने पोप को उसकी कब्र पर निशान लगाते हुए देखा और कहा कि यह अगला था।

78 और उसने कहा, "वहां पर एक चीज है जो मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए करें।" उसने कहा, "मैंने अपने जीवन को उलझा दिया है। मेरा विवाह हो चुका है और हर एक चीज। मुझे—मुझे नहीं पता कि क्या हुआ है।"

मैंने कहा, "क्या तुम उस पर विश्वास करते हो, हावर्ड? "

79 उसने कहा, "मुझ में जो कुछ है, मैं उस पर विश्वास करता हूं।" उसके जाने से लगभग दो या तीन दिन पहले, उसने परमेश्वर के साथ अपनी शांति स्थापित कर ली, भाई नेविल के साथ और वहां उपस्थित उन लोगों के साथ। और उसने कहा, "वहां एक चीज है जो मैं चाहता हूं कि आप करें। जब मैं जाता हूं, बिल, उन्हें मेरे लिए गाने के लिए कहना, *'वह जान जाएगा, और कहेगा, "शाबाश अच्छा किया।"'"*

80 मैं विश्वास करता हूं, इससे पहले कि मैं हावर्ड से हाथ मिलाऊं, मैं उसे कहते हुए सुनूंगा रुककर और मेरी ओर देखेगा, और कहेगा, "बिल, उसने जान लिया।"

81 उसके बाद, भाई सीवार्ड आयेंगे, भाई फ्रैंक ब्रॉय, भाई जॉर्ज डीआर्क आयेंगे। ओह, पुनरुत्थान मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं उस महान ताज के पहनाये जाने की घड़ी की अपेक्षा कर रहा हूं। और उसके बाद जब उजियाला फैलना आरंभ होता है, "हम वैसे ही जानेंगे जैसे हम जाने जाते हैं।" हम समझ जायेंगे, और—और हम अपने परिचितों को याद करेंगे और वे—वे जो वहां पर रहे हैं।

82 और—और बहुत से, वहां पर बहुत से लोग होंगे जिनके बारे में हमने सोचा भी नहीं होगा। क्योंकि, आप जानते हैं, यह उस समय पर है, जो कि मैं विश्वास करता हूं कि "जो रोटी हमने मनुष्यों पर डाली है, संकटग्रस्त जल, वह उस दिन हमारे पास लौट आएगी।" जब हम अपनी गवाही के प्रभाव को देखते हैं, उन लोगों पर जो हमने इसके प्रति उनकी प्रतिक्रिया को नहीं समझा, संभवत: वहां होंगे। वह क्या ही दिन होगा!

83 और फिर, वे बीज भी जो हमने बोए, यहां तक कि यह भी नहीं सोचा कि वे क्या करेंगे, लेकिन यहां पर वे हैं। उन्होंने बहुमूल्य फलों को लाया, और हम उन्हें उस दिन पर देखेंगे, भटके हुए प्रिय जन और संबंधियों को।

84 और मैं उन हजारों के बारे में सोचता हूं जिन्हें मैंने परिवर्तित होते देखा है, जी हां, अब लाखों में हो गये हैं, और जो उनकी सेवकाई थी। ओह, ये एक पुनरुत्थान से भी अधिक को लेगा। यह अनंतता को लेगा, कि वहां जाकर, हाथों को मिलाऊं और उन चीजों को जानू जो मैं अभी नहीं जानता।

85 वहां वे बूढी भूरे बालो वाली माताये होंगी, जिनके लिये आपने आज उन सफेद फूलों को पहना हुआ है, जो आपको देखेंगी, और वे सुंदर होंगी। ना ही पास रखे फूलों के गुलदस्ते के द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया है, या ना ही किसी बूढ़े सफ़ेद बालों वाले व्यक्ति की कोई चित्र है; लेकिन पुनरुत्थान की समानता और सुंदरता में, वे मसीह की समानता में खड़ी होंगी, उनके स्वर्गीय शरीर, युवा और हमेशा के लिए सुंदर होगें। निश्चय ही, यही—यही वह मातृ दिवस है जिसके लिए मैं प्रतीक्षा कर रहा हूं। यही वो अभिषेक है। ना ही कोट के कॉलर पर लाल गुलाब, लेकिन प्राण का अभिषेक, क्योंकि परमेश्वर उसे बदल चूका है!

86 मैं अपनी मां के विषय में सोचता हूं, बूढी और कमजोर, और शक्तिहीन होकर कांप रही थी। वह उस दिन ऐसा नहीं करेगी। ये तब भिन्न बात होगी। और वह महान उजियाला फैलने लगता है, जैसे–जैसे हम चारों ओर देखने लगते हैं, और बड़ा गोल घेरा बड़ा और बड़ा और बड़ा होता जाता है। यह सब बस यीशु के निकट आने को प्रतिबिंबित कर रहा है। "और कुछ देर के बाद," जैसा कि गीत ने कहा, "और मैं यीशु को अंत में देखूंगा।"

वह मेरी प्रतीक्षा कर रहा होगा, यीशु, बहुत ही दयालु
और सच्चा।
उसके सुंदर सिंहासन पर वह मेरा घर में स्वागत करेगा
इस दिन के बीत जाने के बाद।

87 फिर जैसा कि हम उसे देखते हैं, और हम वैसे नहीं रहेंगे जैसे हम अभी हैं। हम—हम जान जाएंगे कि कैसे उससे अधिक प्रेम करें। हम जरा भी डरकर पीछे नहीं हटेंगे; क्योंकि, हम उसके जैसे बन जायेंगे। हम... जितना वो अब है उससे भी बढ़कर वो हमारे लिए एक कुटुंबी के रूप में होगा। हम उसे अच्छी तरह से समझेंगे। क्योंकि, हम मरणहार शरीर में बहुत ही दूर हैं; तब हमारे पास उसके महिमामय शरीर के समान एक शरीर होगा। हम जान जायेंगे कि उसकी आराधना कैसे करें। और जब हम देखेंगे कि उसके अस्तित्व की उपस्थिति ने हमारे साथ क्या किया है, हमें बदल दिया है,

बूढ़े वापस जवान हो जाते है, सभी झुके हुए सीधे हो जाते है, ओह, तब हम समझ जायेंगे कि उसकी सामर्थ ने हमें क्यों चंगा किया।

88 वे प्रश्न जो हमारे मनो में रहे हैं, "वह इसे कैसे कर सकता है? *यह* क्या होगा? " किसी भी तरह, रहस्यमय तरीके से, वे सब लुप्त हो जायेंगे। वे गांठे जो हमारे मस्तिष्क के पिछले भाग में बंधी हुई है, "क्या यह ऐसा होगा? यह कैसे हो सकता है? " किसी भी तरह, या कोई और, तेजस्वी उंगलियां बस इसे सुलझा देगी, उन गांठों को खोल देंगी, और यह सब प्रेम के एक बड़े मुकुट में धुंधले पड़ जायेंगे।

89 तब हम उसे देखेंगे। तब हम उसके समान हों जायेंगे। तब हम उसकी आराधना करेंगे। तब हम मां को देखेंगे जैसे परमेश्वर उसे चाहता है।

उसके परिवार के बिना मां वहां पर पूरी नहीं होती।

90 क्योंकि, उसके जीवन का सबसे अच्छा समय बच्चों को मेज के चारों ओर बैठे देखना है, और वे सभी स्वस्थ और खुश होंगे; और—और—और उसे कॉफ़ी डालते हुए देखना, या जो कुछ भी वह करती है, और रात का खाना तैयार करती है, और वो और पिता बैठ जाते हैं। क्योंकि, यही माँ के जीवन का सबसे खुशी का समय होता है, उसके बच्चों को घर पर देखती हैं।

91 अब, इसे मत चूकना, उस दिन से चूकना मत। अपने परिवार की बड़ी जंजीर को एक–एक कड़ी के साथ जोड़ दे, कड़ी दर कड़ी। हर उस एक लोहे की छड़ या तीली को पहिए में होने दो। फिर जब हम अपने परिवारों और झुण्ड के साथ बैठते हैं, उस ओर अनंतता की छतरियों में, क्या ही एक दिन होगा! तब हम समझ जायेंगे।

92 यह वही था जिसने इसकी प्रतिज्ञा की थी, प्रकाशितवाक्य 1 में, जहां इसने कहा, कि, "उसके मुंह से एक तेज दोधारी तलवार निकलती है।" "वो परमेश्वर का वचन कहलाया।" और यह उन्हीं होठों से था, जिसने कहा, "मैं वो हूं जो जीवित है, जो मरा हुआ था; और मैं सदा के लिए जीवित हूं।" उन्हीं होठों से, संत यूहन्ना 6 में, तीस–... यह कहता है, कि, "मैं किसी को भी नहीं खोऊंगा, लेकिन मैं इसे अंतिम दिनों में फिर से जिलाऊंगा।" यह वही था जिसने प्रतिज्ञा की थी; वही वे बहुमूल्य होंठ है। वही वो एक है जो हमें बचाता है, जो हमें चंगा करता है, जिसने हमें छुड़ाया है, और जो हमें अंतिम दिन में जिलाएगा।

93 यदि आप वो छोटी सी कमजोर कड़ी है जिसने उस दिन पर इस बड़े परिवार के फिर से मिलन को अलग कर दिया, होने पाए स्वर्ग का परमेश्वर, आज सुबह, किसी रहस्यमय तरीके से, आपके मन में बंधी उन छोटी–छोटी गांठों को सुलझा दे, और आपके लिए उस प्रेम को प्रकट करे जो आपके प्रति है उसके पास, और होने पाए कि आप उसकी सेवा करने के लिए मधुरता से आएं।

जबकि हम इन बातों पर सोचते हैं, आइए हम प्रार्थना करें।

94 इससे पहले कि हम प्रार्थना करें, और आप अपने सिरों को झुकाये, मैं आपसे पूछने जा रहा हूं। क्या आप इस मातृ दिवस पर, अपने जीवन को उसे नये सिरे से समर्पित करना चाहेंगे, आगे उस पुनरुत्थान की प्रतीक्षा कर रहे हैं? क्या आप उसकी ओर अपने हाथ उठायेंगे? जबकि हर कोई... परमेश्वर आपको आशीष दे।

95 क्या कोई पापी होगा जो अभी मौजूद है, जो कहेगा कि, "हे परमेश्वर, मैंने अभी तक खुद को उस कड़ी में नहीं जोड़ा है। मैं वो एक जो खोया हुआ जन हूं जो वहां पर नहीं होऊंगा जब मां महिमा में से होते हुए यहाँ–वहां देखने के लिए जाती है। मैं वहां नहीं होऊंगा, क्योंकि मैंने अब तक परमेश्वर के साथ अपनी शांति को नहीं बनाया है। मुझ में अनंत जीवन की आशा नहीं है। लेकिन आज मैं—मैं उसे करना चाहता हूं"? क्या आप अपना हाथ उठाकर कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, इस समय मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं चाहता हूं कि मुझे प्रार्थना में याद किया जाये, क्योंकि मेरे प्रिय जन समुद्र के उस ओर है, जीवन का समुंदर, और मैं उनसे मिलना चाहता हूं"? अपने हाथ उठाये।

96 या कोई है जो पिछड़ा हुआ है, और इस दिन पर वापस आकर, और कहना चाहेगा, "प्रभु, मैं अपने आप को फिर से आपके लिए समर्पित करता हूं; मैं आपके साथ अपनी वाचा को फिर से ताजा करने के लिए आ रहा हूं," क्या आप अपने हाथों को उठाएंगे?

97 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसा कि यह निकट आ रहा है, यह दिन उस महान घटना के एक दिन और निकट लेकर जाएगा। और हमें हर वर्ष बस ऐसा होते देखने के लिए विवश किया जाता है।

98 जैसे कि पेंटीकोस्ट के दिन पर लोग यरूशलेम को जाया करते थे, और आराधनालय और पवित्र भवन की शुद्धिकरण के लिए, और—और

पापबलि के बलिदान को चढाने के लिए, हर वर्ष उन्हें याद दिलाया जाता था, जब वह मेम्ना वहां पर मरता था, कि एक ऐसा समय आएगा कि परमेश्वर का मेम्ना मरेगा, ताकि पाप को त्याग दे। हर बार वह छोटा सा मेमना मिमियाता, और उनके हाथों पर लहू के छींटे होते, उन्हें याद दिलाया गया था कि वहां पर एक समय होगा जब परमेश्वर का मेम्ना होगा, जो पुकारेगा, "एली, लामा... ? एली, लामा... ? " वहां क्रूस पर।

मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, जैसा कि हम आज देखते हैं और देखते हैं कि...

99 कुछ सप्ताह पहले, केलिफोर्निया के ओर आपकी सेवा में जाने से पहले, यह इंडियाना खाली और मरा हुआ पड़ा था, और वहां ऐसा प्रतीत हो रहा था, कोई जीवन नहीं है। वे फूल जो पिछले पतझर में मर गए। पेड़ो से पत्तियाँ निकल चुकी थी। और पेड़ों का रस जड़ो में चला गया था, और हर एक चीज मरी हुई थी।

100 लेकिन एक समय था जब सूर्य भिन्न प्रकार से चमकने लगा। वही सूरज जो सर्दी के मौसम में से चमका था, लेकिन तत्व बदल गए थे और यह अलग तरह से चमक रहा था। और सूर्य के चमकने के, तत्वों के साथ, जीवन हर जगह तुरंत बढ़ता गया। पत्तियां पेड़ों पर वापस आ जाती हैं। छोड़... वह जीवन जिसने पत्ती को छोड़ दिया था, और पत्ती गिर चुकी थी, लेकिन जीवन जमीन के अंदर चला गया; ये नई सुन्दरता के साथ, युवावस्था की चमक के साथ वापस आयी। वो फूल जिसने उसकी—उसकी खुशबु को छोड़ दिया था, जिसने अपनी तेज सुंदरता को छोड़ दिया था और धरती पर गिर गया; जन्मा, अपनी युवावस्था में फिर से फूट पड़ा, एक नई सुगंध के साथ।

हमें किस बात की याद दिलाई गई है, प्रभु, इन घड़ियों में?

101 और संसार एक अंधकारमय, उजाड़ रेगिस्तान से, सुन्दरता के एक स्वर्ग में बदल गई, और मधुमक्खियां और पक्षी गा रहे थे, और हर एक चीज प्रसन्नचित हो गयी थी, और पेड़ एक—एक गर्म पानी के झरने की हवा के झोंकों में खिलखिला रहे थे। धरती पर फिर से गर्मजोशी और आनंद था, उस एस–यू–एन सूर्य की वजह से।

102 लेकिन किसी दिन एस–ओ–एन पुत्र अपने पंखों में चंगाई को लिए हुए आ रहा है, और वे छोटे–छोटे जीवन जो पौधों के सार या रस के जैसे पेड़

के नीचे छिप गये है, उस भूमि में, उस—उस जीवन के जैसे जो फूल के बीज में होता है, यह इसे फिर से नएपन में लेकर आएगा, कभी भी मुरझाने के लिए नहीं। ओह, इसके लिए हम आपको कैसे धन्यवाद दे!

103 और वहां बहुत से, बहुत से हाथ थे जो आज सुबह ऊपर की ओर उठे है, क्योंकि वे जानते हैं कि वहां पर्दे के उस ओर, वहां पर कुछ तो है। वे माँ को देखने की लालसा रखते है। वे उनके प्रियजनों और उनके परिचितों को देखने की लालसा रखते हैं, और इन सारे रहस्यों को ढूंढे, कि वे यहां कैसे आएं, और समय के साथ आगे कैसे बढ़ें। यह सब छिपे हुए पर्दे के पीछे रखा है। और किसी दिन आप आ रहे हैं। और उन्होंने अपने हाथों को उठाया; वे—वे—वे—वे निश्चित होना चाहते हैं, प्रभु। वे अपने आप को फिर से नया कर रहे हैं, और वैसे ही मैं भी करता हूं। अब हमारी सहायता करें, प्रभु। हमारे विश्वास और हमारी शक्ति को नया करें।

104 और जैसा कि हम प्रभु के आगमन को महसूस करते हैं। और पिछले चालीस वर्षों में, धरती पर एक नया पेंटीकोस्ट आरम्भ हुआ। आत्मा बातों को प्रकट करना आरंभ करता है। और यहां पर हम अंतिम चिन्ह पर हैं, आगमन से ठीक पहले। हम जानते हैं कि प्रभु का आगमन निकट है। और हम देखते हैं कि बीमार उनकी बीमारियों से चंगे हो रहे हैं, जो कि दो हजार वर्षों से संसार के लिए रहस्यमयी रहा है, प्रेरितों के समय से लेकर। लेकिन यहाँ यह फिर से प्रकट हो रहा है, वे भविष्यवक्ता उठ रहे हैं, दूत प्रकट हो रहे हैं, चिन्ह और अद्भुत कार्य। यह क्या है? पुनरुत्थान निकट आ रहा है। वो एस–ओ–एन पुत्र आ रहा है।

105 हम तैयार रहें, प्रभु। हम हर एक दिव्य प्रतिज्ञा को अंगीकार करें; इन छोटी–छोटी गांठों के विषय में ना सोचे जो विज्ञान और आदि–आदि के द्वारा एकत्र की गई है, कि ऐसा नहीं हो सकता है। वे आज सुबह को सुलझना आरंभ हो जाए, उस अमरहार के द्वारा... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] ... जब वह परमेश्वर की बाईबल के वचनों में होकर कंपन करता है, एक सुव्यवस्थित किये गये वाद्य की तरह, ताकि लय में गाये, "मैं वो हूं जो मर गया था, और हमेशा के लिए जीवित है।" "थोड़ी देर रह गयी है, और संसार मुझे और नहीं देखेगा; तौभी तुम मुझे देखोगे।" "क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में रहूंगा, संसार के अंत तक।" "और अंत के दिनों में ऐसा होगा, परमेश्वर यों कहता है, कि मैं अपना आत्मा सब

प्राणियों पर उंडेलूंगा; चिन्ह और अद्भुत कार्य दिखाऊंगा; बूढ़े लोग स्वप्न को देखेंगे, और जवान लोग दर्शन को देखेंगे," अंतिम बारिश का चिन्ह और अंत समय। प्रभु, आज प्रात: इसे हमारे बीच में महसूस किया जाए, और होने पाए हमारा विश्वास मजबूत रहे। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

59–0510M मातृ दिवस
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org